हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

कोई भी काम तब तक ही असंभव लगता है, जब तक उसे किया नही जाता ।

मंगलवार 10 फरवरी 2026 बर्ष 02 अंक 135 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

नालंदा के सात प्रखंडों में बनेंगे बस स्टॉप

सड़क सुरक्षा के तहत 13.32 लाख रुपये स्वीकृत

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट।

केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। राज्य परिवहन विभाग, बिहार के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नालंदा जिले के विभिन्न प्रखंडों में बस स्टॉप (बस ठहराव) का निर्माण कराया जाएगा। इस योजना के तहत जिला पदाधिक. ारी कुंदन कुमार ने चयनित सात प्रखंडों के लिए कुल 13,32,100 रुपये की राशि स्वीकृत करते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का निर्देश दिया है।

जिला प्रशासन द्वारा भूमि की उप. लब्धता सुनिश्चित होने के बाद हिलसा, अस्थावां, कतरी सराय, सिलाव, कराय परसुराय, बिहारशरीफ एवं रहुई प्रखंडों में बस ठहराव निर्माण के लिए प्रति स्थल 30 20 वर्गफीट गैरमजरूआ/परती भूमि चिन्हित की गई है। प्रत्येक स्थल के लिए 1,90,300 रुपये की राशि आवंटित की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिलसा प्रखंड के मौजा कामता, अस्थावां के मौजा नोआवा, कतरीसराय के मौजा कतरीसराय, सिलाव के मौजा सिलाव, कराय परसुराय के मौजा पकड़ी, बिहारशरीफ के मौजा हरगांवा तथा रहुई के मौजा बरांदी में बस ठहराव का निर्माण किया जाएगा।

जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि बस स्टॉप निर्माण कार्य नियमानुसार अविलंब प्रारंभ कर मार्च 2026 तक हर हाल में पूरा किया जाए। निर्माण स्थल पर दिशा–निर्देशों के अनुरूप सूचना संबंधी मेटल/प्रस्तर बोर्ड भी लगाया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्ध प्रगति के लिए कार्यकारी एजेंसी पूर्ण रूप से जिम्मेदार होगी। साथ ही एजेंसी को कार्य प्रारंभ होने से पूर्व, निर्माण के दौरान तथा कार्य पूर्ण होने के बाद रंगीन फोटोग्राफ की अभिप्रमाणित प्रति जिला परिवहन कार्यालय, नालंदा को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन का मानना है कि बस स्टॉप निर्माण से यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ठहराव की सुविधा मिलेगी तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर होगी।

इस्लामपुर में अंडरग्राउंड नाला व सड़क निर्माण से बढ़ी परेशानी, दो माह से क्षतिग्रस्त सड़क पर चलना दूभर

लोगों ने डीएम से लगाई गुहार, घटिया निर्माण व लेटलतीफी पर उठे सवाल

रानी सिन्हा की रिपोर्ट। केशववाणी । इस्लामपुर (नालंदा)। इस्लामपुर नगर परिषद क्षेत्र में मुख्य सड़क थाना के समीप जगदम्बा द्वार से मुख्य बाजार होते हुए पक्की तालाब तक अंडरग्राउंड नाला एवं पीसीसी सड़क निर्माण कार्य लोगों के लिए राहत के बजाय मुसीबत बन गया है। करीब दो माह पूर्व ठेकेदार द्वारा सड़क को पूरी तरह खोदकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया, लेकिन अब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। इससे स्थानीय दुक. ानदारों, राहगीरों और बाजार आने–जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।करीब एक करोड़ 31 लाख रुपये की लागत से बुडको द्वारा स्वीकृत इस योजना के तहत नाला एवं सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संवेदक द्वारा भौगोलिक स्थिति और जल निकासी की समुचित तकनीकी जांच किए बिना कार्य शुरू कर दिया गया, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। साथ ही कार्य में लेटलतीफी, मनमानी और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की भी शिकायतें सामने आ रही हैं।नाला निर्माण के लिए जगह–जगह खोदे गए गड्ढों और चौंबर के कारण राहगीरों को आवागमन में काफी दिक्कत हो रही है। आए दिन लोग गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं। स्थानीय दुकानदारों और सैकड़ों परिवारों को पिछले दो महीनों से क्षतिग्रस्त सड़क का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।इतना ही नहीं, निर्माण कार्य के दौरान नल–जल योजना की पाइपलाइन कट–फट जाने से इलाके में पेयजल संकट भी गहरा गया है। लोगों को पीने और दैनिक उपयोग के पानी के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।स्थानीय नागरिकों ने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है।

बताया जाता है कि इस योजना का शिलान्यास गत वर्ष 27 अगस्त को तत्कालीन विधायक राकेश कुमार रौशन द्वारा किया गया था। हालांकि, करीब तीन महीने बाद 6 दिसंबर को सड़क को पूरी तरह खोद दिया गया, जिसके बाद से लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

लोगों का कहना है कि प्रशासन जल्द कार्रवाई करे, अन्यथा आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा।

एफआरके उपलब्धता बढ़ने से सीएमआर आपूर्ति में आई तेजी, किसानों को शीघ्र भुगतान का निर्देश

डीएम ने धान अधिप्राप्ति व खाद्य निगम कार्यों की की समीक्षा

केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के तहत किसानों से अधिप्राप्त धान, उसके समतुल्य राज्य खाद्य निगम के संग्रहण केंद्रों पर जमा कराए गए कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) तथा जिले में फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) की उपलब्धता को लेकर सोमवार को जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपूर्ति व्यवस्था में तेजी लाने एवं किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम ने बताया कि विभाग द्वारा नालंदा जिले के लिए कुल पांच एजेंसियों को एफआरके आपूर्तिकर्ता के रूप में संबद्ध किया गया है। इसके बावजूद कुछ समय से जिले में एफआरके की कमी बनी हुई थी, जिससे मिलों द्वारा सीएमआर आपूर्ति की प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। जिला पदाधिकारी के लगातार पत्राचार एवं हस्तक्षेप के बाद अब एफआरके की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे सीएमआर हस्तगत कराने में तेजी आई है। हालांकि अरवा मिलों में एफआरके की आपूर्ति कम होने के कारण अरवा सीएमआर की आपूर्ति धीमी बनी हुई है। इस संबंध में निगम मुख्यालय को पत्र भेजा गया है तथा दूरभाष के माध्यम से भी शीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि जिला पदाधिकारी द्वारा नियमित समीक्षा के कारण धान अधिप्राप्ति और मिलों से सीएमआर आपूर्ति की गति में उल्लेखनीय सुधार आया है। इससे खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था भी मजबूत हुई है। बैठक के दौरान जिला पदा. धिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों से अधिप्राप्त धान के समतुल्य सीएमआर एवं अग्रिम सीएमआर के विरुद्ध धान तीन दिनों के भीतर मिलों को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही किसानों को क्रय किए गए धान का भुगतान भी शीघ्र किया जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।एफआरके की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रबंधक को आपूर्तिकर्ताओं से लगातार संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

टॉप–10 वांछित लुटेरा गिरफ्तार, गुप्त सूचना पर नूरसराय बाजार से दबोचा गया

गुड्डू कुमार की रिपोर्ट। केशववाणी । नगरनौसा (नालंदा)। नालंदा जिले के नगरनौसा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना अध्यक्ष शशि रंजन कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लूट कांड के टॉप–10 वांछित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार अपराधी की पहचान राजू यादव, पिता राजेश यादव, निवासी नूरसराय के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह नूरसराय बाजार में मौजूद है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि राजू यादव कई लूट एवं अन्य आपराधिक मामलों में वांछित था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई कांड दर्ज हैं। लंबे समय से पुलिस को उसकी तलाश थी।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा उसके अन्य आपराधिक साथियों की तलाश में छा. पेमारी अभियान जारी है। गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में लोगों ने राहत की सांस ली है।

नगरनौसा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: रायफल कट्टा और १८ कारतूस के साथ तीन दबोचे गए

रानी सिन्हा की रिपोर्ट। केशववाणी नगरनौसा (नालंदा)। नगरनौसा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में छापेमारी कर अवैध हथियारों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से एक रायफल, एक देशी कट्टा, 18 जिंदा कारतूस तथा एक बिंडोलिया बरामद की है।

थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सलेमपुर गांव निवासी गुड्डू कुमार के घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे गए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने घर में छापेमारी की। तलाशी के दौरान कमरे से एक देशी कट्टा, एक रायफल, 18 जिंदा कारतूस और एक बिंडोलिया बरामद की गई।

बरामदगी के आधार पर पुलिस ने गुड्डू कुमार को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर छापेमारी कर राजीव कुमार और किशोर प्रसाद को भी गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी अवैध आग्नेयास्त्रों का उपयोग क्षेत्र में वर्चस्व कायम करने और लोगों को डराने–धमकाने के लिए करते थे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ था।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

छापेमारी दल में थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा के अलावा सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, विमल कुमार तिवारी, रमेश प्रसाद, धर्मेंद्र यादव तथा सिपाही अनिकेत कुमार, दिनेश कुमार, काजल कुमारी और राज कुमार शामिल थे।

गंभीर आरोप सिद्ध होने पर चौकीदार सूरज कुमार सेवा से बर्खास्त

पुलिस पर हमला, अवैध बालू खनन और घूसखोरी मामले में जिला पदाधिकारी की बड़ी कार्रवाई

केशववाणी बिहारशरीफ (नालंदा)। जिले में सरकारी कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने चौकीदार सूरज कुमार (संचिका संख्या–01/06) को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभागीय जांच में उनके विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप प्रमाणित पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक, नालंदा द्वारा गठित आरोप–प्रपत्र के आधार पर विभागीय कार्यवाही संचालित की गई थी। जांच के क्रम में संचालन पदाधिकारी–सह–भूमि सुधार उप समाहर्ता, राजगीर द्वारा प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसमें चौकीदार सूरज कुमार के खिलाफ लगाए गए आरा.
`पों को सही पाया गया।जांच प्रतिवेदन के अनुसार, सूरज कुमार एवं अन्य नामजद लोगों पर नाजायज मजमा बनाकर पुलिस पर जानलेवा हमला करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और पत्थरबाजी करने का आरोप था। इसके अलावा उन पर अवैध रूप से बालू खनन कर चोरी करने, बिना नंबर वाले ट्रैक्टर–ट्रेलर से बालू का परिवहन करने तथा मारुति कार (नंबर JH11H3710) से धक्का मारकर फरार होने जैसे गंभीर आरोप भी लगे थे।इतना ही नहीं, उन पर बालू माफियाओं से सांठगांठ कर घूस लेने और अवैध बालू कारोबार को संरक्षण देने का भी आरोप सिद्ध हुआ है।प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर बिहार सरकारी सेवक नियमावली, 2005 के नियम–18 (3) के तहत जिला पदा. धिकारी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का दंड अधिरो. पित किया है।
प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि सरकारी सेवक यदि अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

नवनिर्मित मंदिर में २२ फरवरी को भगवान सूर्य देव की प्राण प्रतिष्ठा, पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी पूरी

सुनील कुमार की रिपोर्ट। केशववाणी हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड के दैली गांव स्थित जोगना के समीप नवनिर्मित मंदिर में भगवान सूर्य देव की आकर्षक प्रतिमा की भव्य प्राण–प्रतिष्ठा आगामी 22 फरवरी को वैदिक रीति–रिवाजों के साथ की जाएगी। इस अवसर पर पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कलश यात्रा, मंत्रोच्चारण, यज्ञ और अखंड कीर्तन जैसे कई आध्यात्मिक कार्यक्रम शामिल रहेंगे।

पंडितों ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 फरवरी को बख्तियारपुर गंगा घाट से कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। 19 फरवरी को पंचांग पूजा एवं वेदी पूजा, 20 फरवरी को फल–फूल, दूध और घी से जलाभिषेक तथा 22 फरवरी को दैली, महेशपुर और नेहुसा गांवों में नगर भ्रमण किया जाएगा। इसी दिन भगवान सूर्य देव की प्रतिमा की प्राण–प्रतिष्ठा के साथ 24 घंटे का अखंड कीर्तन (राम–हरे राम) आरंभ होगा।

अनुष्ठान स्थल पर यज्ञशाला का निर्माण कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। यज्ञ मंडप का निर्माण मुजफ्फरपुर जिले के हरिशंकर सहनी उर्फ शंकर और उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। श्री सहनी ने बताया कि यज्ञ मंडप आठ भागों–आधार, स्तंभ, वल्लीय, गंडुक, वेदी, तोरण, ध्वज और पताका–से मिलकर बनता है, जहां यज्ञ की सभी धार्मिक गतिविधियां संपन्न होती हैं। फिलहाल मंडप का आधार और स्तंभ तैयार कर लिए गए हैं, जबकि अन्य कार्य जारी है।

ग्रामीण देवन दास सहित अन्य श्रद्धालुओं ने बताया कि इस पांच दिवसीय अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य प्रतिमा में देवत्व का आह्वान कर क्षेत्रवासियों के लिए इसे आस्था का केंद्र बनाना है, ताकि श्रद्धालु यहां नियमित रूप से पूजा–अर्चना कर सकें।

ग्रामीणों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना जताई जा रही है।

नालंदा की विरासत

कभी बैठते थे राजस्व कर्मचारी, आज बना है जर्जर भवन

ब्रिटिश कालीन राजस्व कचहरी भवन

ब्रिटीश कालीन कचहरी पर पड़ गयी है अतिक्रमणकारियों की नजर

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट। केशववाणी

राजगीर (नालंदा)। शहर के माली टोला स्थित ब्रिटिश कालीन राजस्व कचहरी भवन आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कभी जहां राजस्व कर्मचारियों का जमावड़ा लगा रहता था और किसानों की भीड़ अपने जमीन संबंधी कार्यों के निपटारे के लिए उमड़ती थी, वही ऐतिहासिक कचहरी आज जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो चुकी है। प्रशासनिक उपेक्षा और देखरेख के अभाव में यह भवन धीरे–धीरे अपनी पहचान खोता जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार जमींदारी प्रथा के समय से ही इस कचहरी का विशेष महत्व रहा है। जमीन संबंधी विवादों और राजस्व कार्यों के समाधान के लिए यही प्रमुख केंद्र हुआ करता था। जमींदारी समाप्त होने के बाद भी यहां राजस्व कर्मचारी, सीआई (सर्किल इंस्पेक्टर) एवं अन्य कर्मी नियमित रूप से बैठकर रसीद काटते और आम जनता के कार्यों का निष्पादन करते थे। इससे लोगों को अलग–अलग जगह भटकना नहीं पड़ता था।
लेकिन समय के साथ उचित रखरखाव के अभाव में यह भवन जर्जर होता चला गया।

छतें टूटने लगीं, दीवारें दरक गईं और धीरे–धीरे यह कचहरी वीरान हो गई। अब स्थिति यह है कि भवन का अधिकांश हिस्सा खंडहर में तब्दील हो चुका है।

इस बीच खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अतिक्रमणकारियों की नजर पड़ गई है। कचहरी परिसर के कुछ हिस्सों पर ला.
`गों ने अवैध कब्जा कर घर और दुकानें तक बना ली हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि इस ब्रिटिश कालीन कचहरी भवन का जीर्णोद्धार कर पुनः उपयोग में लाया जाए तो यहां फिर से राजस्व कर्मचारियों का काउंटर खोला जा सकता है। इससे एक ओर सरकारी जमीन का बेहतर उपयोग होगा, वहीं आम जनता को भी अपने कार्यों के लिए सुविधा मिलेगी।

बताया जाता है कि 6 जनवरी 2016 को प्रशासन द्वारा कचहरी परिसर के बाहर बने कुछ दुकानों और अतिक्रमण को हटाया गया था, लेकिन इसके बाद कोई स्थायी पहल नहीं की गई। नतीजतन, स्थिति फिर से जस की तस हो गई है।

अब स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इस ऐतिहा. सिक धरोहर को संरक्षित किया जाए, अतिक्रमण हटाया जाए और कचहरी भवन का पुनर्निर्माण कर इसे फिर से राजस्व कार्यों के लिए शुरू किया जाए, ताकि इसकी खोई हुई पहचान वापस लौट सके।

मकनपुर में छोटकी भगवती माता की तृतीय वर्षगांठ पर निकली भव्य कलश शोभायात्रा, श्रीमद् देवी भागवत कथा व अखंड कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

रानी सिन्हा की रिपोर्ट केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा),नालंदा जिले के मकनपुर गांव में छोटी भगवती माता की तृतीय वर्षगांठ के अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में मकनपुर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कलश यात्रा गांव से प्रारंभ होकर शीतला माता मंदिर, मधड़ा स्थित तालाब तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से जल भरकर कलश में स्थापित किया और पुनः पूजा स्थल तक लेकर आए। यात्रा में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही। पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण किए महिलाएं भक्ति गीत गाते और 'जय माता दी' के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ती नजर आईं।

डीजे और बाजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते–नाचते हुए पूरे मार्ग में भक्ति रस में सराबोर दिखे। पूरा गांव जय माता दी, जय भगवती और हरे राम–हरे कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

आयोजकों ने बताया कि कलश यात्रा के पश्चात संध्या 6 बजे से श्रीमद् देवी भगवती कथा का शुभारंभ किया गया, जिसमें कथावाचकों ने माता की महिमा और भक्ति का विस्तार से वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उप. स्थित रहे। वहीं अगले दिन अखंड कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्रामीण सामूहिक रूप से भजन–कीर्तन कर माता का गुणगान करेंगे।

इस अवसर पर समाजसेवी एवं नालंदा लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी शशि कुमार ने कहा कि मकनपुर में यह कलश यात्रा और अखंड कीर्तन प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से आयोजित होते हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों से गांव में भक्ति का माहौल बनता है तथा आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता मजबूत होती है।

वहीं ग्राम पंचायत मुखिया एवं समाजसेवी चंद्रशेखर ने कहा कि पूजा–पाठ और धार्मिक कार्यक्रमों से पंचायत का वातावरण शुद्ध और सात्विक बनता है, जिससे गांव में शांति, भाईच. ारा और सामाजिक सौहार्द बना रहता है।कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामवासियों ने माता से गांव की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूरे आयोजन में ग्रामीणों का सहयोग, अनुशासन और श्रद्धा सराहनीय रही।

इस मौके पर समाजसेवी शशि कुमार (पूर्व प्रत्याशी, 29 नालंदा लोकसभा), ग्राम पंचायत मुखिया चंद्रशेखर, संदीप पटेल (मामाजी), अजीत कुमार उर्फ सोनी, अखिलेश कुमार, आशीष कुमार, श्याम सुंदर प्रसाद, दिनेश मास्टर, सुभाष प्रसाद, अभय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छोटी भगवती माता की तृतीय वर्षगांठ का यह उत्सव मकनपुर गांव के लिए एक यादगार और प्रेरणादायी धार्मिक आयोजन के रूप में संपन्न हुआ।

ई-शिक्षाकोष से बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर, 3 से 5 वर्ग के 475 शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

गुड्डू कुमार की रिपोर्ट केशववाणी | कतरीसराय (नालंदा)। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), महेन्द्रु पटना के निर्देशानुसार नालंदा जिले में कक्षा 3 से 5 तक के सरकारी शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ई–शिक्षाकोष के माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले भर के 475 शिक्षक–शिक्षिकाएं भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों और डिजिटल संसाधनों से जोड़कर कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाना है। यह प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्राथमिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा) शहनवाज हुसैन के निर्देश पर संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का आयोजन डायट मोकामा, डायट बाढ़, एससीईआरटी पटना (महेन्द्रु) तथा डायट नुरसराय में किया गया है। इनमें डायट नुरसराय केंद्र पर 140 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन प्राचार्य एवं व्याख्याताओं द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर डायट नुरसराय के प्राचार्य डॉ. सरफराज आलम ने कहा कि बदलते समय में शिक्षकों को डिजिटल तकनीकों और नवीन शिक्षण विधियों से अवगत कराना बेहद जरूरी है। इससे बच्चों की सीखने की क्षमता में सुधार होगा और कक्षा शिक्षण अधिक रोचक बनेगा। उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षण में नियमित उपस्थिति और बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने की अपील की।प्रशिक्षण प्रभारी एस.बी. आनंद ने बताया कि तकनीक आधारित शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता बन चुकी है। ई–शिक्षाकोष के माध्यम से शिक्षक डिजिटल कंटेंट का प्रभावी उपयोग कर छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचा सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पुष्कर कुमार, मो. हम्मद महफुज आलम, अर्चना नाथ, संगम भारती तथा एनसीआरटी से साकेत कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों द्वारा पाठ योजना निर्माण, डिजिटल सामग्री के उपयोग और बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी नई अवधारणाओं पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से शिक्षण व्यवस्था में सक. ारात्मक बदलाव आएगा और शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए 41 बधिर खिलाड़ियों का चयन नालंदा के 6 खिलाड़ी करेंगे बिहार का प्रतिनिधित्व

राकेश पासवान की रिपोर्ट केशववाणी । अअअहरनौत, नालंदा। हरनौत बाजार स्थित प्रखंड स्तरीय फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित 12वीं बिहार स्टेट एथलेटिक्स चौंपियनशिप ऑफ द डेफ से राष्ट्रीय स्तर के लिए 41 बधिर खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इनमें नालंदा जिले के 6 बधिर खिलाड़ी शामिल हैं, जो आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। डेफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ बिहारशरीफ (नालंदा) की मेजबानी तथा नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पटना, नालंदा, जमुई, पश्चिम चंपारण, मुंगेर, रोहतास समेत विभिन्न जिलों से सौ से अधिक बधिर खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने ट्रैक एवं फील्ड की विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में बिहार स्टेट काउंसिल ऑफ द डेफ (बीएससीडी) के कार्यकारी अध्यक्ष गिरिजेश कुमार चौधरी एवं महासचिव मो. अतहर अली ने विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक के साथ प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी एवं नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी के सचिव कुंदन कुमार पांडे ने बताया कि 20 से 23 मार्च तक गुजरात के अहमदाबाद में 27वीं नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चौंपियनशिप एवं 10वीं नेशनल डेफ जूनियर एवं सब जूनियर स्पोर्ट्स चौंपियनशिप का आयोजन होगा, जिसमें चयनित खिलाड़ी भाग लेंगे। इस अवसर पर खिलाड़ियों के लिए निःशुल्क दंत जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। फोर्ड डेंटल हॉस्पिटल के डॉ. रजनीश कुमार ने खिलाड़ियों की दांतों की जांच कर आवश्यक दवाएं व दंत पेस्ट वितरित किए। उन्होंने कहा कि बेहतर दांत बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी हैं, इसलिए दंत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

आयोजन समिति के सदस्य रवि कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बधिर खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देना तथा खेल के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। प्रतियोगिता को सफल बनाने में स्थानीय प्रशासन, खेल प्रेमियों एवं स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।वहीं जुनियर पुरुष में प्रथम कृष्णा कुमार शर्मा(उमंग बाल विकास पटना), दितीय आदर्श कुमार(उमंग बाल विकास पटना), सब–जुनियर लड़का में प्रथम अमृत राज ,सब–जुनियर लड़की में प्रथम शौमय श्रेया तथा भाला फेंक पुरुष में प्रथम उत्तम कुमार(उमंग बाल विकास पटना), दितीय प्रिंस कुमार(उमंग बाल विकास पटना),तृतीय सौरभ प्रताप प्रभाकर तथा जुनियर लड़का प्रथम कृष्णा कुमार शार्मा(उमंग बाल विकास पटना) तथा द्वितीय आदर्श कुमार(उमंग बाल विकास पटना) ने हासिल किया।उधर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हरनौत के पहली वर्ग के छात्र ने दो सौ मीटर दौड़ में प्रथम तथा छः सौ मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया।इसके अलावा नालंदा जिला की टीम रिले रेस में तृतीय स्थान हासिल किया है। उधर बधिर खिलाड़ियों में आर्यन के आलावा अक्षय कुमार,अनुपम कुमार,संदीप कुमार,धीरज कुमार,कल्याणी कुमारी,अमीषा कुमारी,आर्यन राज धनजीर कुमार,शिवम कुमार,अनिता कुमारी शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है और अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिली है।इस दौरान बिहार बधिर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष अलोक कुमार सासाराम,कोषाध्यक्ष सीताराम, सलाहकार अमरदीप कुमार सिंह ,किशोरी जाजोदिया , सदस्य कायकारिणी दीपक कुमार ,नेहा कुमारी ,अली हुसैन, विनय,आनन्द रंजन,आदित्य,पूजा कुमारी,विवेक आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

हिलसा में किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

सड़क पर उतरे किसान, कृषि समझौता रद्द करने की मांग

केशववाणी । हिलसा (नालंदा)– अमेरिका के साथ कृषि समझौते के विरा.ध, सभी फसलों का बीमा, फसल खरीद के लिए मंडी की व्यवस्था, सिंचाई के स्थायी समाधान, बंद पड़े नलकूपों को चालू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने तथा मनरेगा को पुनर्बहाल करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय किसान महासभा के बैनर तले हिलसा में जोरदार प्रतिवाद मार्च निकाला गया। प्रतिवाद मार्च का नेतृत्व किसान महासभा के जिला सचिव मुनी लाल यादव, सहसचिव दिनेश कुमार यादव एवं अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। मार्च काली स्थान से शुरू होकर वरुण तल सिनेमा मोड़ होते हुए जोगीपुर मोड़ पहुंचा, जहां यह सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता सहसचिव दिनेश कुमार यादव ने की।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आजादी के आठ दशक बाद भी किसानों के लिए न तो सिंचाई का स्थायी समाधान किया गया और न ही फसल खरीद के लिए मंडियों की समुचित व्यवस्था की गई। मंडी के अभाव में किसान अपनी उपज औने–पौने दाम पर बिचौलियों को बेचने को मजबूर हैं, जिससे बिचौलिये मालामाल और किसान लगातार कंगाल होते जा रहे हैं।

वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर अमेरिका के दबाव में भारतीय कृषि बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस समझौते से आने वाले दिनों में किसानों की हालत और बदतर होगी। यह किसानों के खिलाफ सोची–समझी साजिश है।किसान महासभा ने मांग की कि मनरेगा को खेती से जोड़ा जाए ताकि ग्रामीण मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिले और पलायन रुके।

वहीं बिहार सरकार के कृषि रोडमैप पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि पंचायत स्तर के अधिकांश नलकूप आज भी बंद पड़े हैं। सिंचाई परियोजनाओं पर अरबों रुपये खर्च होने के बावजूद फल्गु नदी सहित अन्य नदियों के गलत प्रबंधन से हिलसा का पश्चिमी भाग बाढ़ और पूर्वी भाग सूखे की मार झेल रहा है।

किसान महासभा ने अमेरिका के साथ कृषि समझौता अविलंब रद्द करने, सभी बंद नलकूपों को चालू करने, उत्तरी बिहार की नदियों को दक्षिण बिहार से जोड़ने, नहरों का जाल बिछाने तथा मुहाने नदी की तत्काल खुदाई की मांग की।इस मौके पर सहसचिव विजय यादव, किसान नेता रमाकांत शर्मा, अरविंद प्रसाद, सोमर. विंद, रविंद्र पासवान, उपेंद्र ठाकुर सहित कई किसान नेताओं ने सभा को संबोधित किया।

फाइलेरिया से बचाव के लिए साल में एक बार दवा जरूरी - सिविल सर्जन

बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं, खाली पेट दवा लेने से बचें

केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। फाइलेरिया एक गंभीर और लाइलाज बीमारी है, जिससे बचाव का एकमात्र उपाय समय पर दवा सेवन है। यदि किसी व्यक्ति में बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हों, तब भी सावधानी बरतना जरूरी है। साल में सिर्फ एक बार फाइलेरिया रोधी दवा खाने से इस बीमारी से बचा जा सकता है। यह बातें नालंदा के सिविल सर्जन डॉ. प्रकाश सिंह ने सोमवार को सदर अस्पताल में आयोजित एमडीए (सर्वजन दवा सेवन) कार्यक्रम को लेकर प्रेस वार्ता के दौरान कहीं।सिविल सर्जन ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति लगातार पांच वर्षों तक हर साल एक बार फाइलेरिया की दवा का सेवन कर लेता है, तो उसे जीवनभर इस बीमारी का खतरा नहीं रहता। उन्होंने लोगों के इस भ्रम को दूर किया कि 'जब लक्षण नहीं हैं तो दवा क्यों खाएं'। उन्होंने स्पष्ट किया कि कई बार खून में परजीवी मौजूद होते हैं, जिनका पता देर से चलता है और तब तक बीमारी गंभीर रूप ले चुकी होती है।

दवा सेवन को लेकर जरूरी गाइडलाइन

डॉ. सिंह ने बताया कि दवा कभी भी खाली पेट नहीं खानी चाहिए। इसके अलावा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं तथा जिन महिलाओं की डिलीवरी एक सप्ताह के भीतर हुई हो, उन्हें यह दवा नहीं दी जाएगी। आशा कार्यकर्ता घर–घर जाकर उम्र के अनुसार दवा खिलाएंगी।

घबराएं नहीं, रैपिड रिस्पॉन्स टीम तैयार

उन्होंने कहा कि दवा सेवन के बाद कुछ लोगों को हल्की उल्टी या चक्कर आना सामान्य प्रतिक्रिया हो सकती है, इससे घबराने की जरूरत नहीं है। स्कूलों में अक्सर एक बच्चे को उल्टी करते देख अन्य बच्चे भी डर के कारण वैसी प्रतिक्रिया देने लगते हैं, जो मना.वैज्ञानिक प्रभाव होता है।किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एडिशनल लेवल पर रैपिड रिस्पॉन्स टीम (त्त्ज) तैनात की गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और सीधे स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें।प्रेस वार्ता के दौरान डीपीएम, उपाधीक्षक तथा अन्य स्वास्थ्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

आधार सेंटर बंद रहने से लोगों को हो रही परेशानी

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोट केशववाणी । राजगीर (नालंदा)– राजगीर में आधार सेंटर बंद रहने के कारण आम जनों को आधार बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि आधार का काम पिछले तीन महीने से बंद पड़ा है। आधार सेंटर संचालक आशीष रंजन ने बताया कि आधार बंद करने के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के यहां से 22 अगस्त 2025 को लेटर जारी हुआ था, जिसके तहत सरकारी स्कूलों में बंद कर दिया गया है। आशीष आरडीएएच हाई स्कूल में आधार सेंटर चला रहा थे,

लेकिन लेटर जारी होने के बाद बंद करना पड़ गया है। आधार केंद्र संचालक आशीष रंजन ने बताया कि हम लोगों को 12 माह से वेतन भी नहीं दिया गया। एसडीओ सूर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि आधार सेंटर बंद रहने की जांच जल्द ही की जाएगी। उन्होंने कहा कि आधार सेंटर वालों को सेंटर चलाने के लिए आईडी मिलता है। कभी–कभी गड़बड़ी करने के कारण बंद भी कर दिया जाता है। कारण जो भी हो इस सेंटर को जांच कर जल्द ही चालू किया जाएगा। बताया जाता है कि आधार सेंटर बंद रहने के कारण विद्यार्थियों के नामांकन एवं अन्य कागजातों के लिए आधार कार्ड का होना बहुत जरूरी है। आधार कार्ड सेंटर बंद रहने के कारण लोगों को आधार बनाने के लिए हर समय केंद्र पर भीड़ लगी रहती है। लोगों को आधार बनाने के लिए सिलाब गिरियक नारदीगंज सहित अन्य जगह में जाना पड़ रहा है जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। वही बैंक ऑफ बड़ोदा में स्थित आधार केंद्र में काफी अनियमित भी बरती जाती है। लोगों से 75 रुपये की जगह पर 200 तक वसूला जाता है। उनका मा.बाइल नंबर या उन अपडेट रिजेक्ट हो जाता है। जिससे लोगों से दोबारा पैसा की मांग की जा रहती है।